Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	4th
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-401, महाकाव्यम्, उपन्यासः एवं शब्दप्रक्रिया
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MCC-6
Level of the course (As per Annexure-I	200-299
Pre-requisite for the course (if any)	---
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO. 401. 1 : संस्कृत साहित्य में महाकाव्य काव्य का महत्त्वपूर्ण भाग है। महाकाव्य में इतिहास प्रसिद्ध व्यक्ति के चरित्र पर प्रकाश डाला जाता है। कालिदास रचित रघुवंश महाकाव्य इतिहास प्रसिद्ध है। इसमें अनेक राजाओं के जीवन चरित पर प्रकाश डाला गया है एवं वर्तमान समय की भौगोलिक राजनीति, सामाजिक, आर्थिक बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जाता है जिससे छात्रों में समझ उत्पन्न होती है। CLO. 401. 2 : आधुनिक भारत के इतिहास के साथ-साथ प्राचीन भारत का इतिहास भी अबिकादत्त व्यास के उपन्यास में देखने को मिलता है। वर्तमान भारत की दुर्दशा तथा प्राचीन भारत को समृद्ध परम्परा के माध्यम से छात्रों को देशभक्ति एवं प्राचीन भूतों से सीख लेने को शिक्षा इसमें मिलती है। CLO. 401. 3 : व्याकरण भाषा को जानने एवं समझने की एक वैज्ञानिक व्यवस्था है। व्याकरण के बोध से भाषा को समझने एवं उसके प्रयोग को विधि समझने में छात्रों को सहायता मिलती है।

1. डॉ जयपाल 17/11/2025
2.
3.
4.

	CLO. 401. 4 : इस घटक में संज्ञाप्रकरण के माध्यम से व्याकरण में प्रयुक्त होने वाली संज्ञाओं को ज्ञान विद्यार्थियों को करवाया जाता है।

Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	------------------	4
Contact Hours	60	------------------	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल_70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह_(14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन_(3) घण्टे होगा।_
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	कालिदास, रघुवंश द्वितीय सर्ग। 14अङ्काः (क) दो श्लोकों की व्याख्या। (2×5=10अङ्क)_ (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न अथवा पाठ्यांश का सार। (4अङ्क)	15
II	अम्बिकादत्त व्यास, शिवराजविजय द्वितीय निःश्वास 14अङ्काः (क) व्याख्या। (10अङ्क)_ (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न अथवा पाठ्यांश का सार। (4अङ्क)	15
III	**घटक-III** : संस्कृत व्याकरण : 14अङ्काः (क) वाच्य- कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य तथा भाववाच्य। (5अङ्क) (ख) तद्धित प्रत्यय- मतुप्, इनि, ठन्, त्व, तल् तथा छ। (5अङ्क)	15

1 अध्यक्ष, 17/11/2025
2
3
4

<table>
<tr><td></td><td>(ग) <u>णिजन्त तथा सन्नन्त</u> धातु के सिद्ध रूप (केवल लट् लकार में)-
भू, पठ्, गम्, पा, लिख्, श्रु, कृ, दा, स्था, हन्। (4 अङ्क)</td><td></td></tr>
<tr><td>IV</td><td>(क) वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी
संज्ञाप्रकरण (सोदाहरण सूत्रव्याख्या)। 7 अङ्क
(ख) अनुवाद सरल हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद। 7 अङ्क</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="3">Suggested Evaluation Methods</td></tr>
<tr><td colspan="2">Internal Assessment: 30 Marks
➢ Theory
• Class Participation: 5 Marks
• Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks
• Mid-Term Exam: 15 Marks</td><td>End Term Examination:
70 Marks</td></tr>
<tr><td colspan="3">Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 रघुवंश कालिदासकृत, व्याख्याकार हरगोविंद शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी
2 शिवराजविजय अम्बिरकादत्तव्यास, MLBD, Delhi
3 लघुसिद्धांत कौमुदी MLBD, Delhi</td></tr>
</table>

1 डॉ जयपाल: 17/11/2025
2.
3.
4

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	4th
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-402, आधुनिक–संस्कृतसाहित्यम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MCC-7
Level of the course (As per Annexure-I	200-299
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO-402.1 इस घटक के अन्तर्गत प्रयुक्त स्वातन्त्र्यसभवम् तथा भीमायनम् आधुनिक शैली के महाकाव्य और चरितकाव्य है जो स्वातन्त्र्योत्तर एवं वर्तमान समाजिक विपयों रा आधारित है। इनसे परिचित कराना इस घटक का उद्देश्य है । CLO-402.2 शतपर्विका वर्तमान सामाजिक कुरीति पर चोट करने वाली कथा है । शार्दूलशटकम् श्रमिकों की वर्तमान स्थिति एवं वास्तविकता को दर्शाने वाला नाटक है । दोनों ही आधुनिक शैली की रचनाएँ हैं । इनसे अवगत कराना इस घटक का ध्येय है । CLO-402.3 पारम्परिक काव्यरचना से इतर भी संस्कृत भापा में अन्य विधाओं में भी काव्यसृजन हो रहा है । इस घटक के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक संस्कृत गीतिकाव्य एवं अन्य काव्य विधाओं से अवगत कराया जायेगा। CLO-402.4 इस घटक के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक संस्कृत कवियों तथा उनकी रचनाओं से अवगत कराया जायेगा । जैसे – पण्डिता क्षमाराव, सत्यव्रतशास्त्री आदि।

1 अग्रवाल 17/11/25
2
3
4

Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	------------------	4
Contact Hours	60	------------------	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल_70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह_(14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन_(3) घण्टे होगा।_
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	महाकाव्य एवं चरितकाव्य । 14अङ्काः (क) स्वतन्त्र्यसम्भवम् (रेवाप्रसाद द्विवेदी) द्वितीय सर्ग श्लोक(24-45) (7अङ्क)_ (ख)भीमायनम् (प्रभाशंकर जोशी) सर्ग 10, 20-29, सर्ग 11, 13-20 एवं 40-46 (7अङ्क)	15
II	गद्य एवं रुपक । 14अङ्काः (क) शतपर्विका (अभिराजराजेन्द्र मिश्र) । (7अङ्क) (ख)शार्दूलशटकम् (विरेन्द्रकुमार भट्टाचार्य) प्रथम अंक(26 श्लोक) (7अङ्क)	15
III	गीतिकाव्य 14अङ्काः (क) क एते, क्वयातास्ते (बच्चुलाल अवस्थी) (7अङ्क) (ख)ब्रूहिकोऽस्मिन् युगे कालिदासायते (पुष्पा दीक्षित) (4अङ्क)	15

1 डॉ जयपाल 17/11/2025
2
3
4

	(ग)हायकु (हर्षदेवमाधव) वेदना, त्वम्, तृणम्, खनिः स्नानगृहे, मृत्युः (3 अङ्क)	
IV	सामान्य सर्वेक्षण 14अङ्काः पण्डिता क्षमाराव, रैवाप्रसाद द्विवेदी, जानकीवल्लभ शास्त्री, सत्यव्रत शास्त्री, जयनारायण यात्री राधावल्लभ त्रिपाठी	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination:** 70 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 आधुनिक संस्कृत साहित्य संग्रह- डा॰ राजमंगल यादव, परिमल पब्लीकेशन दिल्ली

2 आधुनिक संस्कृत साहित्य, मैत्रेयी कुमारी, ग्रन्थभारती प्रकाशन दिल्ली

1 [signature] 17/11/2025

2

3

4

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	4th
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-403, काव्यशास्त्रम्
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	MCC-8
Level of the course (As per Annexure-I	200-299
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: Co.403.1 : प्रथम घटक में वर्णित रसों की अनुभूति व्यक्ति को कैसे होती है तथा करुण आदि रस के द्वारा अलौकिक आनन्द कैसे प्राप्त हो सकता है। यह बोध करवाना इस घटक का उद्देश्य है । Co.403.2 : इस घटक के माध्यम से संस्कृत काव्यों के नायकों के प्रकारों से छात्रों को अवगत कराया जायेगा । Co.403.3 : इस घटक में संस्कृत नाटक के स्वरुप का वर्णन है। नाटक के लक्षण से अवगत कराना इस घटक का उद्देश्य है। Co.403.4 : इस घटक में गद्य काव्य एवं महाकाव्यों के लक्षण विहित हैं, जिनका ज्ञान कराना इस घटक का उद्देश्य है ।

1 डॉ जयपाल, 17/11/2025
2
3
4

Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	------------------	4
Contact Hours	60	------------------	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल_70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह_(14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन_(3) घण्टे होगा।_
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।

3.द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	विश्वनाथः, साहित्यदर्पणम् तृतीयः परिच्छेदः, कारिका: 1-20 14अङ्काः	15
II	साहित्यदर्पणम् तृतीयः परिच्छेदः, कारिका: 30-55 14अङ्का	15
III	साहित्यदर्पणम् षष्ठः परिच्छेदः, कारिका: 24-60 14अङ्का	15
IV	साहित्यदर्पणम् षष्ठः परिच्छेदः, कारिका: 313-337 14अङ्का	15

1 17/1/2025
2
3
4

<table>
<tr><th colspan="2">Suggested Evaluation Methods</th></tr>
<tr><td>Internal Assessment: 30 Marks
➢ Theory
• Class Participation: 5 Marks
• Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks
• Mid-Term Exam: 15 Marks</td><td>End Term Examination:
70 Marks</td></tr>
<tr><td colspan="2">Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:
1 साहित्यदर्पण, व्याख्याकार, डा० सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा विद्याभारती बाराणसी
2 साहित्यदर्पण, व्याख्याकार, पं० शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास नई दिल्ली</td></tr>
</table>

1. डॉ जयपाल 17/11/2025
2.
3.
4

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	4th
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-404, काव्यदीपिका वृत्तरत्नाकरः च
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE-1
Level of the course (As per Annexure-I	400-499
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: Co.404.1 : काव्य-शास्त्र का अध्ययन छात्रों को काव्य के अध्ययन व लेखन के प्रयोजनों से अवगत कराता है। साथ ही काव्य-रचना के शास्त्रीय तथ्यों का परिचय देता है । Co.404.2 काव्य की परिभाषा तथा काव्य कैसे बनता है। इन सब अंग से अवगत करवाकर काव्यगत शब्दों से बोध अर्थात् अर्थज्ञान किस प्रकार होता है। शब्द शक्तियों के माध्यम से काव्य के मर्म का बोध जब छात्र को हो जाता है तो काव्य के प्रति उसकी रुचि बढ़ती है। Co.404.3 काव्य का मुख्य उद्देश्य रस को प्राप्त करवाना होता है । काव्य में अनेक रस होते हैं । रसों का स्वरूप तथा स्थायी भावों का ज्ञान इस घटक से होता है ।

1 अध्यक्ष 17/11/23
2
3
4

	Co.404.4 काव्य छन्दोबद्ध होता है अर्थात् काव्य की सर्वोत्तम कोटि वही है जिससे छन्दों का समावेश होता है । यदि काव्य में छंद दोष हो तो उसे उत्तम काव्य नहीं कहा जा सकता । इस घटक में छन्दों का परिचय दिया गया है ।		
Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	------------------	4
Contact Hours	60	------------------	60
Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**		**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

<u>Instructions for Paper- Setter</u>

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल_70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह_(14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन_(3) घण्टे होगा।_
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	काव्यदीपिका प्रथमशिखा। 14अङ्का:	15
II	काव्यदीपिका द्वितीयशिखा। 14अङ्का:	15
III	काव्यदीपिका तृतीयशिखा (श्लोकसंख्या 1 20): 14अङ्का: आलोचनात्मक: प्रश्न:।	15

1 डॉ जयपाल 17/11/2025
2
3
4

IV	वृत्तरत्नाकरः अधोलिखितानि छन्दांसि 14अङ्काः आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजातिः, वंशस्थम्, द्रुतविलम्बितम्, भुजंगप्रयातम्, वसन्ततिलका, मालिनी, पंचचामरम्, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा, पुष्पिताग्रा।	15

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 30 Marks ➢ **Theory** • Class Participation: 5 Marks • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks • Mid-Term Exam: 15 Marks	**End Term Examination:** 70 Marks

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1 वृत्तरत्नाकरः, व्याख्याकार आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
2 काव्यदीपिका, श्री परमेश्वरानंद शर्मा साहित्याचार्य, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

1 17/11/25
2
3
4

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	4th
Name of the Course	Bachelor of Arts
Course Code	24UN-SKT-405,संस्कृत–साहित्ये राष्ट्रवादः
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	DSE-1
Level of the course (As per Annexure-I	400-499
Pre-requisite for the course (if any)	--
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: Co. 405. I : इस घटक में पृथ्वीसूक्त के माध्यम से छात्रों को मातृभूमि की विशेषताओं के बारे में ज्ञान करवाया जाता है ताकि छात्रों में राष्ट्रभावना जागृत होवे। Co. 405. 2 : इस घटक में भारतवर्ष का नाम कैसे पड़ा, इससे सम्बन्धित प्राचीन सन्दर्भों के साथ-साथ वर्तमान भारत के सन्दर्भ में भी जैसे- राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय ध्वज आदि का ज्ञान प्राप्त करेंगे। Co. 405. 3 : भगतफूल सिंह चरितम् के प्रथम अध्याय से छात्रा उनके जीवन और उनके द्वारा किये गये कार्यों के बारे में जानेंगे। Co. 405. 4 : इस घटक में डॉ० रमाकान्त शुक्ल द्वारा रचित कविता से माध्यम से छात्र भारतवर्ष के विषय में जानेंगे।

1 ओ जयपाल: 17/11/2025

2.

3

4

Credits 4	Theory + Tutorial	Practical	Total
	3+1	-----------------	4
Contact Hours	60	-----------------	60

Max. Marks: 100 **Internal Assessment Marks: 30** **End Term Exam Marks: 70**	**Time: 3 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper- Setter

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल_70 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न चौदह_(14) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन_(3) घण्टे होगा।_
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित चार (4) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न साढे तीन (3.5) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

Unit	Topics	Contact Hours
I	भारतीय राष्ट्रवाद, अथर्ववेद पृथ्वी सूक्त (1–30 मंत्र) 14 अङ्काः	15
II	भारतवर्ष नामकरण (वैदिक और पौराणिक सन्दर्भ) राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय चिह्न, शंक संवत्, विक्रम संवत 14 अङ्काः	15
III	भगतफूलसिंह–चरितम् (प्रथम अध्याय) 14 अङ्काः	15
IV	भाति में भारतम्, डा0 रमाकान्त शुक्ल (1–30 शलोक) 14 अङ्काः	15

1 [illegible] 17/11/25
2
3
4

<table>
<tr><td colspan="2" align="center">Suggested Evaluation Methods</td></tr>
<tr><td>Internal Assessment: 30 Marks
➢ Theory
• Class Participation: 5 Marks
• Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 5+5=10 Marks
• Mid-Term Exam: 15 Marks</td><td>End Term Examination:
70 Marks</td></tr>
<tr><td colspan="2" align="center">Part C-Learning Resources</td></tr>
<tr><td colspan="2">Recommended Books/e-resources/LMS:
1 भगतफूलसिंहचरितम, पंडित विद्यानिधि शास्त्री, संपादक प्रोफेसर भीम सिंह, विद्यानिधि शोधसंस्थान कुरुक्षेत्र
2 भाति में भारतम्, डा॰ रमाकान्त शुक्ल, देववाणी परिषद् दिल्ली
3 अथर्ववेद डा० ब्रजबिहारी चौबे, कात्यायन वैदिक साहित्य प्रकाशन होशियारपुर
4 अथर्ववेद सुबोधभाष्य, दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल किल्ला पारडी जिला वलसाड</td></tr>
</table>

1 डॉ जयपाल: 17/11/2025
2
3
4

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	IV
Name of the Course	Ability Enhancement Course
Course Code	24-UNSKT-AEC401,संस्कृत भाषा एवं सम्प्रेषण-4
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	AEC–4
Level of the course (As per Annexure-I	
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 405.1 – इस घटक के माध्यम से संस्कृत भाषा-दक्षता हेतु तीनों लिङ्गों में सर्वनाम शब्द-प्रयोग तथा द्वितीया विभक्ति का वाक्यप्रयोग सिखाया जाएगा। CLO : 405.2 – इस घटक में संस्कृत के प्रमुख प्रत्यय तथा तृतीया व चतुर्थी विभक्ति का वाक्यप्रयोग का ज्ञान होगा। CLO : 405.3 – इस घटक के द्वारा पञ्चमी, षष्ठी, सप्तमी का वाक्यप्रयोग सिखाया जाएगा। CLO : 405.4 – दैनन्दिन व्यवहार में प्रयुक्त होने वाले वाक्यों द्वारा सम्भाषण करना। इस घटक के द्वारा सिखाया जाएगा।

1 अध्यक्ष 17/11/25
2
3
4

Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	--	30
Max. Marks: **Internal Assessment Marks:** **End Term Exam Marks:**	**50** **15** **35**	**Time: 3 Hrs.**	

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठयक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	**Topics**	**Contact Hours**
I	संस्कृतस्वाध्यायः, प्रथमा दीक्षा, वाक्य व्यवहारः 7 अंक प्रथमस्तवकः 1–4, द्वितीयस्तबकः 1, 3 दोनों स्तवकों के आधार पर वाक्यनिर्माण 1x7=7 (10 में से 7)	**7**
II	संस्कृतस्वाध्यायः, प्रथमा दीक्षा, वाक्य व्यवहारः 7 अंक चतुर्थस्तबकः 1–4, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन् तथा तृतीया व चतुर्थी विभक्ति के आधार पर वाक्य निर्माण 1x7=7 (10 में से 7)	**8**

1 डॉ जयपाल 17|11|2025

2

3

4

III	संस्कृतस्वाध्याय:, प्रथमा दीक्षा, वाक्य व्यवहार: पञ्चमस्तवक: 1-3 पञ्चमी, षष्ठी व सप्तमी विभक्ति तथा संख्यावाची शब्दों के आधार पर वाक्य प्रयोग 1x7=7 (10 में से 7)	8
IV	संस्कृतस्वाध्याय:, प्रथमा दीक्षा, सम्भाषणम् 7 अंक 1-10 अध्याय दैनिक व्यवहार से सम्बन्धित वाक्यों का प्रयोग 1x7=7 (10 में से 7)	7

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 15 Marks	End Term Examination:
➢ **Theory** • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7	**35 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. संस्कृतस्वाध्याय:, प्रथमा दीक्षा, वाक्यव्यवहार: सम्पादक: वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम्, नव देहली
2. संस्कृतस्वाध्याय:, प्रथमा दीक्षा, सम्भाषणम्, सम्पादक: वेम्पटि कुम्बशास्त्री, राष्ट्रीय संस्कृतसंस्थानम्, नव देहली

1 उपाध्याय 17/11/25
2
3
4

Session: 2023-24	
Part A - Introduction	
Subject	Sanskrit
Semester	IV
Name of the Course	Value Added Course
Course Code	24UN-SKTVAC-401,भारतीय ज्ञानपरम्परा एवं पद्धति
Course Type: (CC/MCC/MDC/CC-M/DSEC/VOC/DSE/PC/AEC/VAC)	VAC–4
Level of the course (As per Annexure-I	100–199
Pre-requisite for the course (if any)	
Course Learning Outcomes(CLO):	After completing this course, the learner will be able to: CLO : 315.1 – भारतीय ज्ञान परम्परा एवं पद्धति के स्वरूप के अन्तर्गत शिक्षा के उद्देश्य एवं गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था का ज्ञान प्रस्तुत घटक में कराया जाएगा। CLO : 315.2 – प्राचीन भारतीय शिक्षा के क्षेत्र के अन्तर्गत 14 विद्याओं और 64 कलाओं का परिचयात्मक ज्ञान कराना इस घटक का प्रयोजन है। CLO : 315.3 – इस घटक के माध्यम से प्राचीन भारतीय शिक्षा-संस्थानों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाएगा। CLO : 315.4 – तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली वैदिक शिक्षा-पद्धति के स्वरूप की परिचायक है। इसका ज्ञान प्रस्तुत घटक द्वारा कराया जाएगा।

1 डॉ जयपाल 17/11/2025
2
3
4

Credits – 2	Theory	Practical	Total
	2	--	2
Contact Hours	30	--	30

Max. Marks: **50** **Internal Assessment Marks:** **15** **End Term Exam Marks:** **35**	**Time: 12 Hrs.**

Part B- Contents of the Course

Instructions for Paper-Setter

1. प्रश्नपत्र में कुल 5 प्रश्न दिये जाएं । प्रश्नपत्र के लिए 35 अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समान अंकों (7) के होंगे।
2. प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण क्रमशः चारों घटकों के विषयों के आधार पर पाठ्यक्रम में दिये गये निर्देशानुसार किया जाए। ये प्रश्न वैकल्पिक होंगे ।

Unit	**Topics**	**Contact Hours**
I	शिक्षा के उद्देश्य, गुरुकुल व्यवस्था 7 अंक आचार्य, गुरु और उपाध्याय दो टिप्पणियाँ अथवा एक निबन्धात्मक प्रश्न	**7**
II	शिक्षा के क्षेत्र 14 विद्याएँ एवं 64 कलाएँ 7 अंक दो टिप्पणियाँ अथवा एक निबन्धात्मक प्रश्न	**8**
III	शिक्षा संस्थान 7 अंक तक्षशिला, काशी, कश्मीर, काँची, नालन्दा विक्रमशिला, धारा, वल्लभी दो टिप्पणी 2x3½= 7 अंक	**7**

1 [illegible] 17/11/25
2
3
4

IV	तैत्तिरीयोपनिषद् शिक्षावल्ली 11वाँ अनुवाक 7 अंक (क) मन्त्र व्याख्या 1x4= 4 अंक (ख) संक्षिप्त टिप्पणी 1x3= 3अंक	8

Suggested Evaluation Methods

Internal Assessment: 15 Marks	End Term Examination:
➢ **Theory** • Class Participation: 4 • Seminar/presentation/assignment/quiz/class test etc.: 4 • Mid-Term Exam: 7	**35 Marks**

Part C-Learning Resources

Recommended Books/e-resources/LMS:

1. भारतीय संस्कृति, दीपक कुमार, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. हिन्दू संस्कार (सामाजिक एवं आर्थिक अध्ययन) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. मनुस्मृति (1-13 भाग) सम्पादित एवं व्याख्या, उर्मिला रूस्तोगी, जे०पी० पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

1 डॉ जयपाल; 17/11/2025
2
3
4